हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 26 : जौनपुर, शुक्रवार 20 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

योगी पहुंचे हाथरस, बोले, महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए उनको आगे लाया जा रहा

एजेन्सी

हाथरस। सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को हाथरस पहुंचे। सीएम बागला इंटर कॉलेज के मैदान में पहुंचे। जहां उन्होंने जय श्री राम के नारे और भारत माता की जय के नारों से अपना भाषण शुरू किया। उसके बाद नारी वंदन कार्यक्रम में आए सभी लोगों का स्वागत किया। सीएम ने कहा, यहां के लोगों की हाथ की कला और जिस हाथरस की हींग के बिना दाल का स्वाद ही नहीं, उस हाथरस की जमीन को नमन करते हुए यहां की बहनों को मैं नमन करता हूं। पिछले साढ़ें नौ साल के अंदर हमने नए भारत का

दर्शन किया है। जिसमें किसी के साथ जाति, धर्म और लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं हो रहा है। सबका समानता के साथ विकास हो रहा है। महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए उनको आगे लाया जा रहा है। यूपी के अंदर दंगे बंद हो गए हैं। खुशी से यहां त्यौहार मनाए जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकता में किसान हैं, गरीब हैं, नौजवान हैं. .उसी क्रम में महिलाओं का विकास भी हमारी प्राथमिकता है। सारी योजनाओं का लाभ आज गरीबों को मिल रहा है। सीएम ने मंच से सभी को नवरात्रि की बधाई दी। मुख्यमंत्री की सुरक्षा के लिए प्रशासन की ओर से कड़े इंतजाम किए गए हैं। बागला इंटर कॉलेज में कंट्रोल रूम और सेफ हाउस भी बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए रूट डायवर्ट भी कर दिए गए हैं। सभी स्कूलों को बंद रखा गया है। सीएम ने हाथरस को 176 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का तोहफा दिया। इनमें से 105.77 करोड़ रुपये के 117 कार्यों का लोकार्पण किया। साथ ही 71.51 करोड़ रुपये के 97 कार्यों का शिलान्यास किया। लोकार्पण के लिए तय किए गए 117 कार्यों में से 34 कार्य आवास–विकास परिषद आगरा, 25 कार्य पंचायत राज विभाग सहित विभिन्न विभाग शामिल हैं। इसके साथ ही शिलान्यास के 97 कार्यों में सी एंड डीएस के 57 कार्य, प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग के 11 कार्य, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग के सात, नगर पालिका सिकंदराराऊ के सात, डूडा के पांच सहित विभिन्न विभागों के विभिन्न कार्य शामिल हैं।

सादगी, सच्चाई का रास्ता ही वास्तविक सुख, शांति और प्रसिद्धि का मार्ग : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेन्सी

मोतिहारी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी जी की विरासत को समझने और आत्मसात करने के लिए आप सब को सादगी और सच्चाई के अच्छे परिणामों को समझना होगा। उन्होंने कहा कि मैं अनुभव पर आधारित दृढ़ विश्वास से कहती हूं कि सादगी और सच्चाई का रास्ता ही वास्तविक सुख, शांति और प्रसिद्धि का मार्ग है। पूर्वी चंपारण जिला मुख्यालय मोतिहारी में आयोजित समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि आज से लगभग 106 वर्ष पहले चंपारण में गांधीजी के कहने पर लोगों ने सामाजिक समानता और एकता का रास्ता अपनाया और ब्रिटिश हुकूमत को झुकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि आज भी सामाजिक समानता और एकता का वही रास्ता देशवासियों को आधुनिक विकास के रास्ते पर आगे ले जाएगा और भारत एक विकसित देश के रूप में प्रतिष्ठित होगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या लगभग 60 प्रतिशत है।

हम जनता को अपने काम बता रहे, कुछ लोग शमशान पर तांत्रिक क्रिया करा रहे : शिवराज

एजेन्सी

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बिना किसी का नाम लिए कहा कि जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी के लोग जनता को अपने किए गए जनकल्याणकारी कार्यों के बारे में बता रहे हैं, वहीं कुछ लोग शमशान घाट पर श्तांत्रिक क्रियाश करा रहे हैं। श्री चौहान और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज यहां स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय से पार्टी के हाईटेक प्रचार रथों को रवाना किया। ये प्रचार रथ सभी 230 विधानसभाओं में जनता को प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी देंगे। श्री चौहान इसी अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम जनता को अपने काम बता रहे हैं और कुछ लोग शमशान घाट पर तांत्रिक क्रियाएं कर रहे हैं। यह लोकतंत्र है, लोकतंत्र में साधना और उपासना अगर किसी की होती है तो जनता की होती है। लोकतंत्र, जनता के विश्वास को जीतने का माध्यम है। जनता की सेवा करो, प्रदेश का विकास करो, लोगों का कल्याण करो। भाजपा ने किया है, इसलिए जनता से वोट मांगने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूजा भी अगर करनी है तो वो श्री महाकाल के दरबार में सात्विक तरीके से होनी चाहिए। ये देख कर तकलीफ और आश्चर्य होता है कि तांत्रिक क्रियाएं करा रहे है। शमशान घाट में पूजा करने से क्या भला होगा। इसका मतलब स्वयं के ऊपर भरोसा ही नहीं है। कांग्रेस ने जनता को लूटा और बर्बाद किया। साथ ही कल्याणकारी योजनाएं बंद करने का पाप भी किया। मध्यप्रदेश को तबाह और बर्बाद करने वाले अब शमशान घाटों में जाकर बैठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच साल में मध्यप्रदेश इतना आगे जाएगा कि प्रदेश की हर ओर चर्चा होगी। इसी संकल्प को लेकर वीडियो वैन प्रदेश भर में जा रही हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे जनता को सरकार की उपलब्धियां दिखाएं। मीडिया में आईं कुछ खबरों के अनुसार श्री कमलनाथ को कथित तौर पर मुख्यमंत्री बनाने के लिए कुछ तांत्रिक उज्जैन में मध्यरात्रि में शमशान घाट में साधना कर रहे हैं। इससे जुड़ी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें कुछ तांत्रिक श्री कमलनाथ की फोटो रख कर साधना करते दिख रहे हैं।

कानपुर देहात में बुजुर्ग और उसके बेटे की लिव-इन साथी की हत्या

एजेन्सी

कानपुर। देहात कानपुर देहात के अमरोधा कस्बे में बृहस्पतिवार को तड़के 83 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे की 'लिव इनश साथी की धारदार हथियार से कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मृतक व्यक्तियों की पहचान राम प्रकाश द्विवेदी (83) और खुशबू (30) के रूप में की गई है। मृतक राम प्रकाश द्विवेदी का बेटा विमल द्विवेदी (63) इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया। कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक बी बी जी टी एस मूर्ति ने बताया कि इस घटना की सूचना पर पुलिस ने विमल द्विवेदी के दो बेटों– अक्षत द्विवेदी (18) और उसके सौतेले भाई ललित द्विवेदी (42) को हिरासत में ले लिया। ये दोनों गिरफ्तारी से बचने के लिए हरियाणा या मध्य प्रदेश भागने की कोशिश कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने लिखा प्रदेश की जनता के नाम पत्र

एजेन्सी

भोपाल। मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश की जनता के नाम एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि जिस तरह प्रदेश ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें असीम स्नेह देते हुए भारतीय जनता पार्टी को अभूतपूर्व विजय दिलाई, उन्हें विश्वास है कि उसी प्रकार जनता आगामी विधानसभा चुनाव में भी उन्हें (श्री मोदी को) समर्थन देते हुए पार्टी की सरकार बनवाएगी। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज इस पत्र के बारे में संवाददाताओं को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्मोदी के मन में मध्यप्रदेश है, इसलिए उन्होंने राज्य की जनता के नाम ये पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी नौ साल के अपने कार्यकाल में 35 बार मध्यप्रदेश आए हैं। उन्होंने राज्य के कल्याण के लिए एक लाख 17 हजार करोड़ रुपए से ऊपर की सौगातें दी हैं। पत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मां नर्मदा की इस धरती को प्रणाम करते हुए लिखा है कि वे जब भी राज्य के दौरे पर आते हैं, यहां की जनता का उनके प्रति असीम स्नेह उन्हें ऊर्जा देता है। पिछले 20 साल में मध्यप्रदेश बीमारू की छवि से निकल कर सशक्त और स्वावलंबी बना है। इस अवधि में जनता ने पार्टी पर जो भरोसा दिखाया है, उसके बलबूते प्रदेश देश की टॉप 10 अर्थव्यवस्थाओं में पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का विकास मॉडल पूरे देश के लिए गरीब कल्याण, महिला उत्थान एवं समग्र प्रोत्साहन का मॉडल बन गया है। भाजपा सरकार ने अपने गरीब कल्याण के संकल्प की सिद्धि के लिए प्रदेश के हर वंचित के लिए अनगिनत योजनाएं चलाई हैं, जिनके चलते आज प्रदेश में 1.36 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। 2014 से पहले, कांग्रेस सरकार के सौतेले व्यवहार के कारण, प्रदेश की भाजपा सरकार को जनकल्याण एवं प्रदेश के विकास में कठिनाइयां आती थी। आज पूरा देश साक्षी है कि 2014 के बाद केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद प्रदेश के भीतर एक नयी क्षमता का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री ने लिखा, श्मेरा सदा से मध्यप्रदेश के साथ एक विशेष जुड़ाव रहा है, जिसके चलते आपने 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनाव में मुझे असीम स्नेह देते हुए भाजपा को अभूतपूर्व विजय दिलाई थी, मुझे पूरा विश्वास है कि उसी तरह आने वाले प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी आप मुझ तक अपना सीधा समर्थन पहुंचाएंगे एवं भाजपा पर अपने अटूट विश्वास के चलते फिर इस बार डबल इंजन की सरकार बनाएँगे।

टीकमगढ़ में कांग्रेस उम्मीदवार के घर पर असम पुलिस की दबिश

एजेन्सी

टीकमगढ़। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में असम पुलिस बल के दल ने कांग्रेस के उम्मीदवार यादवेंद्र सिंह बुंदेला के घर पर दबिश दी है। असम पुलिस एक फ्रॉड केस के मामले में यहां पहुंची है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की सुबह असम पुलिस का एक दल पूर्व मंत्री और टीकमगढ़ से कांग्रेस के घोषित उम्मीदवार यादवेंद्र सिंह बुंदेला के घर पहुंची और इस दल ने वहां जांच शुरू कर दी। साथ ही परिवार के सदस्यों से पूछताछ भी की जा रही है। इस मामले में स्थानीय पुलिस की मदद ली गई है और बुंदेला के घर को छावनी में बदल दिया गया है।

गेहूं का एमएसपी बढ़ाना मजबूरी : कांग्रेस

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले ही गेहूं पर न्यूनतम समर्थन मूल्य–एमएसपी बढ़ाने का श्रेय लेने का प्रयास कर रही है लेकिन सच यह है कि ऐसा करना आवश्यकता थी इसलिए समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा कि गेहूं की एमएसपी में बड़ी बढ़ोतरी करने का श्रेय लेने की बजाय श्री मोदी को जवाब देना चाहिए कि आखिर मध्य प्रदेश में सोयाबीन एमएसपी से नीचे क्यों बिक रहा है और सरकार सस्ते दाम पर खाद्य तेलों का आयात क्यों कर रही है। उन्होंने कहा "गेहूं के एमएसपी में 150 रुपए प्रति कुंतल बढ़ोतरी की गई है। हमेशा की तरह, प्रधानमंत्री इस श्बड़ीश बढ़ोतरी के लिए श्रेय ले रहे हैं। लेकिन हकीकध्त कुछ और ही है। यह सरकार के गेहूं भंडार के एकदम खघली होने के कगार पर पहुंचने के कारण हुआ है।" श्री रमेश ने कहा "दरअसल सच्चाई यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ है जब गेहूं के एमएसपी में इस तरह 150 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। एमएसपी में बढ़ोतरी पहले भी हुई है और इससे काफी ज्यादा हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के शासनकाल में गेहूं के एमएसपी में 119 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी जबकि नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में सिर्फ 57 प्रतिशत हुई है, लेकिन अभी एमएसपी का बढ़ना, जो कि एक आवश्यकता है, उसे भी प्रधानमंत्री उपकार के रूप में पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा "एमएसपी बढ़ाने का श्रेय लेने से पहले इन सवालों का भी जवाब देना चाहिए कि संयुक्त किसान मोर्चा की एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी की मांग का क्या हुआ। यह तो ऐसे समय में और भी महत्वपूर्ण है जब प्रधानमंत्री के मित्रों द्वारा निजी खरीदारी बढ़ती जा रही है।मध्यप्रदेश में सोयाबीन एमएसपी से नीचे क्यों बिक रहा है और सरकार सस्ते खाद्य तेल का आयात क्यों कर रही है, जो इस साल 1. 7 लाख टन को पार करने जा रहा है – अब तक का सबसे ज्यादा। इन सवालों पर प्रधानमंत्री चुप्पी कब तोड़ेंगे।

फांसी के फंदे से लटके नाबालिग चचेरे भाई-बहन का शव मिला, प्रेम प्रसंग में सुसाइड की आशंका

एजेन्सी

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है जहां पर चचेरे भाई–बहन ने फंदे से लटकर आत्महत्या कर ली है। घटना की जानाकरी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि दोनो भाई– बहन में प्रेम प्रसंग चल रहा था जिसकी भनक परिजनों को लग गई थी। जिसके बाद परिजनों ने दोनो से मिलने जुलने पर रोक लगा दी थी। जिससे आहत होकर दोनो से सुसाइड कर ली। हालांकि परिजनों ने बताया कि हमे प्रेम प्रसंग के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। जानकारी के मुताबिक मामला शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बारात पहाड़ी गांव का है। जहां पर गुरुवार सुबह गांव के बाहर एक पेड़ से नाबालिग प्रेमी जोड़े का शव लटका हुआ मिला। बताया जाता है कि दोनों मृतक आपस में चचेरे भाई–बहन हैं। दोनों के परिजन बताते हैं कि दोनों एक ही कॉलेज में 11वीं में पढ़ते थे। दोनों साथ में ही कॉलेज पढ़ने आते–जाते थे। दोनों के बीच कब और कैसे नजदीकी हुई यह परिवार के लोगों को नहीं पता चला। बताया जा रहा है कि मृतक के एक दोस्त ने बताया कि दोनो घर से भागने की फिराक में थे। इस बात की जानकारी जब परिजनों को हुई तो उन्होंने किशोरी के बाहर और स्कूल जाने पर रोक लगा दी। बीती रात घर के बाहर नवरात्रि पर्व पर देवी पंडाल में सभी लोग भजन कीर्तन कर रहे थे और इसी बीच रात के समय दोनों अचानक गायब हो गए। सुबह दोनो की शव पेड से लटका हुआ मिला। मृतक किशोरी के परिजनों ने बताया कि बीती रात नवरात्रि पर्व पर देवी पंडाल में घर के लोग गए थे इस दौरान किशोरी घर में अकेली थी जब परिवार के लोग वापस घर लौटे तो घर से गायब मिली। गांव में तलाशा गया लेकिन कोई जानकारी नहीं हो पाई। परिवार ने शहर कोतवाली पुलिस को दोनों की गुमशुदगी की जानकारी दी लेकिन रात भर किसी का कोई पता नहीं चल पाया। सुबह गांव से बाहर दोनो के पेड़ से लटके शव मिले। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओ पर जांच कर रही है। जांच के बाद ही सुसाइड की असली वहज सामने आएगी।

नवरात्रि में राजनीति छोड़कर मां शक्ति की आराधना में जुटे बिहार के नेता

एजेन्सी

पटना। बिहार में राजनीति का अपना मिजाज है। हर छोटी बड़ी घटनाओं में नेता राजनीति खोज लेते हैं, लेकिन शारदीय नवरात्रि में नेता फिलहाल राजनीतिक हैसियत बढ़ाने के लिए खुद मां दुर्गा की आराधना में जुटे हैं। बिहार में कई दिग्गज नेता जहां मां के मंदिर दरबार में पहुंचकर मां से आशीर्वाद ले रहे हैं तो कई नेता घर में ही कलश स्थापना कर मां की आराधना में जुटे हैं। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गुरुवार को गोपालगंज पहुंचकर थावे मंदिर परिसर में कई योजनाओं का शिलान्यास किया तो थावे वाली मां की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

दिग्विजय अपना बुढ़ापा सुधार लो : विजयवर्गीय

एजेन्सी

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और इंदौर एक विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार कैलाश विजयवर्गीय इन दिनों अपने बयानों के कारण चर्चाओं में हैं। अब उनका नया बयान आया है, जिसमें उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को सलाह दी है कि वह सोनिया गांधी के साथ राम मंदिर पहुंचकर दर्शन करें ताकि उनका बुढ़ापा सुधर जाए।

विजयवर्गीय लगातार अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं और दौरे कर रहे हैं और ऐसे बयान दे रहे हैं, जिसके चलते चर्चाओं में हैं। उनका जो ताजा बयान आया है उसमें वह सीधे तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी पर हमला बोल रहे हैं। विजयवर्गीय का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक जनसभा में उन्होंने कहा कि राम मंदिर बनाने का काम आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा हो रहा है। हम कहते थे राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे, जबकि, दिग्विजय सिंह कहते थे तारीख नहीं बताएंगे। अब तो भैया तारीख भी बता दी है। कांग्रेस के नेता और वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट में राम को काल्पनिक व्यक्ति बताया था। विजयवर्गीय ने आगे कहा कि राम को काल्पनिक व्यक्ति बताया और रामचरितमानस को उपन्यास करार दिया, जबकि हम कहते हैं कि राम हमारे आराध्य हैं, हनुमान हमारे आराध्य हैं, रामचरित मानस हमारे समाज को मार्गदर्शन देती है।

भाजपा की सरकार बनने पूरे छत्तीसगढ़ को नक्सल समस्या से मुक्तकर देंगे, छत्तीसगढ़ में बोले अमित शाह

एजेन्सी

बस्तर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के नेतृत्व वाली भूपेश बघेल सरकार पर नक्सलवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को बस्तर की जनता से वादा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य को नक्सल समस्या से मुक्त कर दिया जाएगा। शाह ने राज्य सरकार पर वादा खिलाफी करने और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने का भी आरोप लगाया। गृह मंत्री ने आज शहर के लालबाग परेड मैदान में नामांकन रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह भाजपा के प्रत्याशियों को जिताने

के लिए राज्य में हैं।

उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा, देश में हर बार एक दिवाली मनाई जाती है। लेकिन छत्तीसगढ़ में तीन दिवाली मनाना है। पहली दिवाली त्योहार की दिवाली, दूसरी दिवाली तीन दिसंबर को कमल की सरकार बनने पर और तीसरी दिवाली, जब अयोध्या स्थित राम जन्म भूमि में जनवरी में प्रभु श्रीराम के मंदिर का शुभारंभ होगा... तब भी श्रीराम के ननिहाल में दिवाली बनेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, बस्तर क्षेत्र एक जमाने में धुर नक्सली क्षेत्र माना जाता था। आज भी छत्तीसगढ़ में कुछ समस्याएं हैं। मैं आपको कहने आया हूं कि एक बार फिर से कमल फूल (भाजपा) की सरकार बना दो, पूरे छत्तीसगढ़ को नक्सल समस्या से मुक्त कर देंगे। शाह ने कहा, मोदी सरकार के नौ वर्षों में (नक्सली) हिंसा की घटनाओं में 52 प्रतिशत, मौतों (माओवादी हिंसा में) में 70 प्रतिशत, नागरिकों की मौत में 68 प्रतिशत और नक्सल प्रभावित जिलों में 62 प्रतिशत की गिरावट आई है। भाजपा नेता ने कहा कि यदि यदि नक्सली हिंसा होती है और पुलिस के जवान की मृत्यु होती है तब आदिवासी की मृत्यु होती है और यदि नक्सली मरता है तब आदिवासी की मृत्यु होती है। उन्होंने कहा कि आम नागरिक की मृत्यु होती है तब भी आदिवासी की मृत्यु होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के 15 वर्ष के शासन के दौरान रमन सिंह सरकार ने राज्य का विकास किया और पिछले नौ वर्ष के शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार देश को विकास के रास्ते पर आगे ले जा रही है। शाह ने मुख्यमंत्री बघेल पर निशाना साधा और पूछा कि भूपेश बाबू आपने क्या किया? उन्होंने कहा, भूपेश बघेल की सरकार ने राज्य में शराब की दुकान खोली और दो हजार करोड़ रुपए का घोटाला किया। कोयले के परिवहन में 540 करोड़ रुपए का घोटाला किया। गरीबों के अनाज में पांच हजार करोड़ रुपए का घोटाला किया और गौठान योजना में 1300 करोड़ रुपए का घोटाला किया। उन्होंने कहा, बहुत घोटाले सुने हैं लेकिन गाय के गोबर में 1300 करोड़ का घोटाला करें, ऐसा आदमी मैं नहीं सुना।

सम्पादकीय

मान्यता से इनकार

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया है, लेकिन कोर्ट के फैसले ने इस विमर्श को आगे बढ़ाया है। कोर्ट की मंशा है कि समाज में समलैंगिक समाज का उत्पीड़न रोकना सरकारों का दायित्व है। साथ ही केंद्र व राज्य सरकारें उनके जीवन के लिये जरूरी सुविधाएं देने में सकारात्मक भूमिका निभाएं। पीठ का नेतृत्व कर रहे मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने स्पष्ट किया कि अदालत यह कानून नहीं बना सकती। वह इसकी व्याख्या कर सकती है और उसे लागू कर सकती है। उनका कहना था कि स्पेशल मैरिज एक्ट में संशोधन का दायित्व संसद पर था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह फैसला एलजीबीटीक्यूआईए समुदाय के सदस्यों को रिश्तों में प्रवेश करने के अधिकार से नहीं रोकेगा। साथ ही अदालत ने केंद्र, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि इस समुदाय के साथ किसी भी तरह का भेदभाव न हो। कोर्ट के इस नजरिये के चलते ही केंद्र सरकार ने एक समिति बनाने का फैसला किया है जो समलैंगिक संघों में शामिल व्यक्तियों के अधिकारों पर विचार–विनिमय करेगी। दरअसल, केंद्र सरकार इस विवाह को कानूनी मान्यता देने के पक्ष में नहीं थी। इतना ही नहीं इस विवादास्पद मामले में कई पहलुओं को लेकर न्यायाधीशों में भी असहमति थी। वहीं पीठ ने स्पष्ट किया कि विवाह किसी व्यक्ति का मौलिक अधिकार नहीं है। वहीं दूसरी ओर समलैंगिक जोड़ों के बच्चे गोद लेने के अधिकार पर भी कोई सहमति नहीं थी। समलैंगिक संगठन हालांकि, इस फैसले से निराश तो हैं लेकिन वे इस बात को अपनी उपलब्धि मानते हैं कि अदालत ने समलैंगिक जोड़ों को सामाजिक भेदभाव, उत्पीड़न और उपहास से बचाने के निर्देश केंद्र व राज्यों को दिये। साथ ही कोर्ट ने इस वर्ग के अधिकारों के प्रति जनता को जागरूक करने पर भी बल दिया। बहरहाल, समलैंगिक विवाह को मान्यता के सवाल को शीर्ष अदालत ने संसद के जिम्मे छोड़ दिया है। लेकिन इस मुद्दे पर समाज में राय बनाने की जरूरत है कि समलैंगिकता एक बायोलॉजिकल स्थिति है। दरअसल, यह विषय भारतीय समाज में खासा विवादास्पद रहा है। एक वर्ग भारतीय संस्कृति का हवाला देकर इसे एक प्रकार की मानसिक विकृति बताता रहा है। केंद्र सरकार की ओर से भी इसे कुछ शहरी लोगों का शगल बताया गया और कहा गया कि ग्रामीण भारत में ऐसी स्थिति नजर नहीं आती। जिसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का कहना था कि समलैंगिकता शहरों तक सीमित नहीं है, गांव में खेत पर काम करने वाली महिला भी ऐसा दावा कर सकती है। बहरहाल, इस दौरान विशेष विवाह अधिनियम की संवैधानिकता को लेकर भी सवाल उठे। वहीं दूसरी ओर कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि समलैंगिकों को दिये जाने वाले अधिकारों और लाभों की पहचान करने के लिये कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाला पैनल बने। जिसके बाद इनके संयुक्त बैंक खाते खोलने, बीमा पॉलिसियों में भागीदारी, पेंशन व पीएफ के लाभों पर विचार हो सके। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में समलैंगिक रिश्तों को प्रतिबंधित करने वाली धाराएं सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थीं। जिसके पांच वर्ष बाद समलैंगिकों के विवाह को मान्यता देने का मामला शीर्ष अदालत के पास आया। बहरहाल, इस मामले में शीर्ष अदालत ने संवैधानिक लिहाज से अपनी सीमा का सम्मान किया। यह यक्ष प्रश्न है कि क्या संसद खुद पहल करके इस मामले में कोई कानून बनाती है? इस मामले में जो कानूनी बाधाएं हैं क्या उन्हें दूर किया जाएगा? हालांकि, केंद्र सरकार का इस मामले में साफ कहना रहा है कि वह समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता के पक्ष में नहीं है क्योंकि इससे कई तरह की कानूनी जटिलताएं पैदा होंगी। वह इसे शहरी अभिजात्य वर्ग की अवधारणा मानती रही है। उल्लेखनीय है कि दुनिया में इस विवाह को मान्यता देने की शुरुआत वर्ष 1989 में हुई और आज दुनिया के 34 देशों में इसे मान्यता है।

बूटकैंप से काफी हद तक जॉब गारंटी मिल सकती है!

कम्प्यूटर स्क्रीन पर हर त्रुटिपूर्ण शब्द के नीचे रेड लाइन दिखती है, इससे अधिकांश युवा वर्तनी या स्पेलिंग सीखने को बहुत हल्के में लेने लगे हैं, इससे आगे चलकर उनके भाषा लेखन पर असर पड़ता है, वहीं लगातार ऑडियो सुनने से वे अच्छे वक्ता बन रहे हैं। मेरे एक परिचित अंतिम साक्षात्कार में चयनित नहीं हो सके क्योंकि उन्हें कुछ लिखने के लिए कहा गया था और एक पेज पर उन्होंने 18 गलतियां की! साधारण से शब्द जैसे ादवबा, लिखने में वह दो बार रुके, जिसके शुरू और आखिर में दो ा आते हैं और उन्हें इसका पता नहीं था। आम–सी स्पेलिंग भूलने के लिए उन्होंने ऑटोकरेक्ट पर हद से ज्यादा निर्भरता को जिम्मेदार ठहराया। मामला सिर्फ स्पेलिंग का नहीं, सबसे अच्छे संस्थानों से हाल ही में पास आउट होने वाले छात्र भी जेनरेटिव एआई, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड, कोडिंग, मशीन लर्निंग और डाटा साइंस जैसे क्षेत्रों का नवीनतम ज्ञान हासिल करने में कमजोर साबित हुए हैं। 2023–24 में कैंपस भर्ती में कोई खासी ग्रोथ नहीं दिख रही, ऐसे में ज्यादातर ग्रैजुएट्स ने चार महीने का एक्सटेंशन कोर्स चुना है, जो कि 'बूट कैंप्स' कहलाता है, यह चुने क्षेत्र पर पकड़ बनाने के लिए तेजी से चलने वाला, गहन स्किल प्रोग्राम है ताकि जब वे साक्षात्कार में भाग लें तो इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले शब्द व उनकी स्पेलिंग में भी दक्ष हों। याद रखें, जब नौकरियों का बाजार तंग होता है, तो भर्ती करने वाले टफ स्किल्स पर ध्यान देते हैं, मुख्यतौर पर इसलिए क्योंकि वे नहीं चाहते कि इन युवाओं को लेकर उन्हें बिजनेस के अनुरूप प्रशिक्षित करने में दो–चार महीने की ट्रेनिंग में समय गंवाया जाए। वे रेडी–मेड कर्मचारी चाहते हैं, जो तीन दिन या अधिकतम पांच दिन में कंपनी पॉलिसी के हिसाब से ढल जाएं। यहां तक कि 12 से 18 महीने पहले कंपनियां फ्रेशर्स को लेने में इतनी चूजी नहीं थीं। लेकिन अब सोच तैनाती के लिए तैयार प्रतिभाओं को चुनने की है क्योंकि टियर 2, टियर 3 शहरों जैसे लखनऊ आदि से अच्छा बिजनेस आ रहा है, जहां मॉल्स में ट्रेडिंग डेंसिटी 10 हजार रु. प्रति वर्ग फुट पार कर गई है। और यह उपलब्धि संचालन के सिर्फ दो साल में हासिल की गई है। आमतौर पर मेट्रो शहरों में इतना बिजनेस आने में पांच से छह साल लगते हैं। सबसे ज्यादा स्थापित मॉल में अभी भी रेट 9 हजार रु. प्रति वर्ग फुट से कम है। और याद रखिएगा कि भारत में 5,730 ऐसे शहर हैं और उनमें से 10: ने बिजनेस में ऐसी बढ़त दिखाई तो मॉल मालिकों को सेल्स करने वाले हजारों कर्मचारियों की जरूरत पड़ेगी, जो कि रिटेलिंग की नब्ज जानते हों। इसलिए ये मॉल मालिक चंद महीनों का प्रशिक्षण देने या कारखाने में सीखने देने के बजाय कर्मचारियों को सीधे काम पर तैनात करना चाहते हैं। इस गैप को समझते हुए कई निजी विश्वविद्यालय इन मॉल मालिकों को रेडीमेड कर्मचारी देने के लिए 'बूट कैंप्स' आयोजित कर रहे हैं। जहां जॉब मार्केट तंग होते जा रहे हैं, वहीं बूटकैंप के लिए भीड़ बढ़ रही है। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जैसे श्रेष्ठ संस्थानों के छात्र बूटकैंप कोर्स में स्किल बढ़ाने के लिए कतार में हैं, जो आमतौर पर 4–6 महीने के छोटे मॉड्यूल में होते हैं। अगर कोई मेरी निजी राय मांगे तो मैं कहूंगा कि स्टूडेंट्स को ग्रैजुएशन से जुड़े इंडस्ट्री संबद्ध ढेर सारे शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कर लेना चाहिए, ताकि वे इंडस्ट्री के हाल–फिलहाल चलन से परिचित रहें। वे दिन गए, जब लगता था कि कॉलेज मजे करने की जगह है। उद्योग अब कॉलेजों को भविष्य के कामगारों में हुनर के असेंबलिंग एरिया की तरह देखते हैं, विद्यार्थियों को यह स्वीकारना अभी भी बाकी है। फंडा यह है कि जैसे लोगों का साइड बिजनेस होता है, हर स्टूडेंट को अच्छा प्लेसमेंट लेने के लिए साइड लर्निंग के तौर पर ग्रैजुएशन के दिनों में बूट कैंप(शॉर्ट टर्म कोर्स) करना चाहिए।

राहुल गांधी का अदानी पर नया हमला

यह आरोप लगाकर कि केन्द्र सरकार द्वारा देशवासियों को महंगी बिजली बेचने का उद्देश्य गौतम अदानी को फायदा पहुंचाना है, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुश्किल में डाल दिया है। मोदी और अदानी के रिश्तों को लेकर राहुल पिछले लम्बे समय से अनेक खुलासे करते आ रहे हैं जिसके चलते मोदी समेत पूरी भारतीय जनता पार्टी की भरपूर किरकिरी हो चुकी है। यह मामला न केवल भारत में वरन विदेशों में भी गूंज रहा है। संसद के भीतर हो या बाहर, राहुल और उनकी पार्टी इस मुद्दे को लेकर मोदी की घेराबन्दी करती आ रही है। नये आरोप यानी मोदी–भाजपा की नयी मुसीबत। बुधवार को राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रसिद्ध अखबार शफाइनेंशियल टाइम्सश में छपी एक रिपोर्ट का हवाला देकर आरोप लगाया कि अदानी ने 12 हजार करोड़ रुपये का घोटाला किया है। उनका यह भी कहना था कि अदानी की वजह से ही देशवासियों को महंगी बिजली मिलती है। उनके मुताबिक अदानी इंडोनेशिया से कोयला खरीदते हैं और उसका भाव हिन्दुस्तान में दोगुना हो जाता है। अदानी कोयले की कीमत को गलत दिखाते हैं। कांग्रेस नेता का कहना है कि श्लोग जैसे ही बिजली का

स्विच ऑन करते हैं, अदानी की जेब में पैसा जाता है। अदानी की रक्षा भारत के प्रधानमंत्री कर रहे हैं। दुनिया के बाकी देशों में जांच हो रही है लेकिन भारत में अदानी को कोरा चेक दिया गया है। अदानी जो चाहे कर सकते हैं। राहुल का साफ कहना था कि लोग 12 हजार करोड़ रुपये का यह आंकड़ा याद रखें। उन्होंने सवाल किया– श्पीएम अदानी की जांच क्यों नहीं कराते? उल्लेखनीय है कि राहुल पिछले वर्ष कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कई बार मोदी व अदानी के बीच सांठ–गांठ का आरोप लगाते रहे। इतना ही नहीं, लोकसभा में भी उन्होंने इस मामले को दमदार तरीके से उठाया था। अदानी के हवाई जहाज में बैठकर प्रधानमंत्री पद के शपथ ग्रहण के लिये दिल्ली आ रहे मोदी की तस्वीर भी उन्होंने संसद में लहराई थी। इसके चलते खूब हंगामा हुआ था। उनके भाषणों के वे हिस्से विलोपित कर दिये गये थे, जिनमें राहुल ने मोदी–अदानी के रिश्तों तथा इस व्यवसायी के कथित घोटालों की पोल खोली थी। इस सबके चलते गुजरात की एक कोर्ट में 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान दिये गये एक भाषण को आधार बनाकर राहुल के खिलाफ दाखिल अवमानना मामले की आनन–फानन में सुनवाई कर उन्हें दो साल की सजा दिला दी गई थी। उतनी ही तेज गति से उनकी लोकसभा की सदस्यता छीन ली गई थी। करीब चार माह सदन से बाहर रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी सजा पर लगाई गई रोक से सदस्यता बहाल हुई थी।

वैसे सदन के भीतर, सदस्यता के निलम्बन के दौरान, वापस आने के बाद और तत्पश्चात सदन के बाहर राहुल की अदानी को लेकर घेराबन्दी हमेशा जारी रही। मोदी शासनकाल में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर बने अदानी को लेकर हिन्डनबर्ग की रिपोर्ट ने मोदी व अदानी को संकट में तो डाला ही था, राहुल को और भी हमलावर बना दिया। उनके बयानों तथा अदानी पर उनके आरोपों की एक तरह से पुष्टि पहले हिन्डनबर्ग रिपोर्ट से हुई। पहले भी प्रतिष्ठित समाचारपत्र फाइनेंशियल टाइम्स ने अदानी को लेकर बड़े खुलासे किये थे। उसी कड़ी के रूप में अब यह नयी रिपोर्ट आई है जिसके आधार पर राहुल ने ताजा हमला बोला है। निश्चित है कि इससे मोदी और केन्द्र सरकार पर नये सवालिया निशान उठेंगे।

फिर, मोदी पर राहुल का नया आक्रमण ऐसे वक्त पर हो रहा है जब पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिये अगले महीने चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा ये सभी चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़ रही है जिनमें उन्हें एक सफल व साफ–सुथरी छवि का नेता के रूप में प्रोजेक्ट किया जा रहा है, वैसे ही जिस प्रकार से पिछले एक दशक से होता आया है।

हालांकि उनकी यह छवि पहले ही काफी कुछ दरक चुकी है। साथ ही वे सभी मोर्चों पर पूर्णतरू नाकाम प्रधानमंत्री भी साबित हो चुके हैं। फिर भी सरकार व संवैधानिक संस्थाओं पर अपनी मजबूत पकड़, संगठन पर एकाधिकार तथा पिछलग्गू मीडिया के बल पर वे अपनी छवि को कथित रूप से यशस्वी पीएम की बनाये रखने की कोशिश करते हैं। ऐसे वक्त में जब मोदी के नेतृत्व में भाजपा हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में चुनाव हार चुकी है और भाजपा पर भ्रष्टाचारियों के साथ मिलकर राज्य की सरकारें बनाने के आरोप हैं, राहुल के नये आरोपों से मोदी की परेशानियां बढ़ना तय है। पहले ही यह माना जा रहा है कि राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत की गुंजाइश शून्य है, जिसका असर अगले साल के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनावों पर पड़ेगा।

राहुल के इन आरोपों में अगर विपक्षी गठबन्धन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूजिव एलाएंस) ने भी अपने सुर मिलाए तो इसकी गूंज निश्चित ही दूर तलक जाएगी। मोदी व भाजपा को होने वाला नुकसान केवल 5 राज्यों तक सीमित न रहकर सभी तरफ होगा। जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक पहले ही कह चुके हैं कि अदानी का पैसा दरअसल मोदी का पैसा है और मोदी व भाजपा 2024 का चुनाव अदानी की वजह से हारेंगे।श क्या मलिक की बात सच साबित होने जा रही है? संकेत तो ऐसे ही दिखते हैं।

'गाजा' की चुनौती और 'बाइडेन'

पश्चिम एशिया में फिलिस्तीनी गाजा में जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं उनसे अब वैश्विक स्तर पर दुनिया के विभिन्न देशों के बीच भी रंजिश बढ़ने का खतरा पैदा होता जा रहा है। गाजा में गत रात्रि जिस तरह इजरायली हमले के दौरान एक अस्पताल पर राकेट गिरने से 500 निरीह बीमार स्त्री–पुरुषों व बच्चों की जान गई है उसने मानवीय त्रासदी को जन्म देकर जारी युद्ध को 'युद्ध अपराध' की श्रेणी में रख दिया है। हालांकि इजरायल कह रहा है कि अस्पताल पर उसकी तरफ से छोड़े गये राकेटों ने हमला नहीं किया बल्कि ये राकेट हमास के ही थे जो निशाना चूक गये थे जबकि हमास का कहना है कि यह काम इजरायली सेना का ही है। विगत 7 अक्तूबर को इजरायल पर हमास ने जो हमला किया था उसमें 1300 से ज्यादा इजरायली नागरिकों की मृत्यु हुई और हमास ने दो सौ नागरिकों को बन्धक भी बनाया। इसके जवाब में इजरायली सेना ने जवाबी हमला गाजा क्षेत्र में किया जिसमें अभी तक तीन हजार लोग हलाक हो चुके हैं। इजरायल ने हमास के आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए पूरे गाजा क्षेत्र को अपने निशाने पर लिया और इसमें भी उत्तरी गाजा के

इलाकों को जहां हमास अपने लाव–लश्कर के साथ सक्रिय है। इजरायल के प्रधानमन्त्री एलानिया तौर पर हमास को सबक सिखाने के लिए उत्तरी गाजा के लोगों से कह रहे हैं कि वे इस इलाके को खाली करके दक्षिणी गाजा की तरफ चले जायें क्योंकि इजरायली फौजें अपने टैंकों पर सवार होकर हमास को नेस्तानाबूद करेंगी। इस हिंसा के चक्र के चलने के बाद गाजा के निहत्थे नागरिक बेघर–बार हो रहे हैं और उनकी जान की बाजी लगा कर इजरायल व हमास अपना बदला ले रहे हैं। इजरायल ने उत्तरी गाजा के 11 लाख नागरिकों का बिजली, पानी, रसद व ईंधन बन्द कर दिया है जिसकी वजह से इस क्षेत्र में मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही इजरायल विश्व संगठनों द्वारा गाजा के लोगों को भेजी जा रही मदद सामग्री को गाजा में प्रवेश भी नहीं दे रहा है जिसकी वजह से मानव अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्थाओं की चिन्ता बढ़ती जा रही है। इसके समानान्तर इजरायल ने सीरिया के दो हवाई अड्डों पर हमला करके उसे युद्ध से दूर रहने की चेतावनी दे दी है परन्तु इसकी सीमा से लगे दूसरे देश लेबनान में सक्रिय हिजबुल्लाह संगठन ने इजरायल पर राकेट दागे हैं जिसका जवाब इजरायल ने भी दिया है। साथ ही ईरान घोषणा कर रहा है कि इजरायल गाजा की जनता पर जुल्म करने से बाज आये वरना उसके परिणाम भयंकर होंगे। पिछले चार दिनों में उत्तरी गाजा के छह लाख लोग दक्षिण की ओर कूच कर गये हैं और इस मानवीय त्राजली के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन इजरायल पहुंचे हैं। अमेरिका ने पहले ही दिन घोषणा कर दी थी कि वह हमास के हमले से जख्मी हुए इजरायल के साथ डट कर खड़ा हुआ है। उसने अपने दो जंगी जहाजी बेड़ों को भी इलाके के भूमध्यसागर में तैनात कर दिया और लड़ाकू विमानों को भी इजरायल की मदद के लिए तैयार कर दिया। अब सवाल यह है कि इस युद्ध में सामान्य नागरिकों की मृत्यु को रोकने के लिए क्या किया जाये? यह युद्ध अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के तहत नहीं लड़ा जा रहा है और अस्पताल तक इसकी जद में आ रहे हैं। गाजा में बस्तियों की बस्तियां जमीदोज हो रही हैं और लोग रोटी–पानी व इलाज के लिए तरस रहे हैं। अतः सबसे पहले बाइडेन साहब को यह देखना होगा कि युद्ध को मानवीय संकट खड़ा करने से रोका जाये और बदला केवल हमास व इजरायली फौज के बीच ही हो। यह भी समझने की जरूरत है कि इजरायल व फिलिस्तीन की समस्या की जड़ में कोई धार्मिक मसला नहीं है बल्कि जमीन के मालिकाना हुकूक की समस्या है क्योंकि अरब फिलिस्तीनी जमीन पर ही 1948 में एक अलग स्वतन्त्र देश बनाया गया था जिसे 'इजरायल' कहा गया। भारत ने इसे 1950 में मान्यता प्रदान की और 1992 में इसके साथ राजनयिक सम्बन्ध स्थापित किये। भारत दुनिया भर में शस्त्रों की होड़ के खिलाफ और विश्व शान्ति का पक्षधर रहा। भारत मानता है कि हर देश को अपनी रक्षा करने का अधिकार है मगर किसी भी देश के लोगों का अपनी जमीन पर भी अधिकार होता है। इसी वजह से यह एक स्वतन्त्र व संप्रभु फिलिस्तीन राष्ट्र के हक में शुरू से ही रहा है। प्रधानमन्त्री श्री मोदी का ताजा हालत पर यह कहना कि मानवीय हितों का संरक्षण हर हाल में किया जाना चाहिए बताता है कि भारत हर मसले का शान्तिपूर्ण ढंग से हल चाहता है परन्तु यह समय है कि अमेरिका समेत सभी पश्चिमी देशों को इस क्षेत्र में शान्ति बनाये रखने के लिए अपने सद प्रयास करने चाहिए और किसी स्थायी हल की तरफ चलना चाहिए। क्योंकि राष्ट्रपति बाइडेन के साथ जार्डन, मिस्र व फिलिस्तीनी प्रमुखों ने अपनी बैठक को स्थगित कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष :– मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

बृषभ :– स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे–संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थाभाववश चिंता संभव।

मिथुन :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्क :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्या :– समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी–नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी–छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुला :– कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

वृश्चिक :– सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे–संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनु :– नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय–व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकर :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मीन :– क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

पुतिन-जिनपिंग की गलबहियां

आदित्य नारायण

इस समय विश्व के हालात अच्छे नहीं हैं। एक तरफ रूस–यूक्रेन युद्ध जारी है तो दूसरी तरफ इजरायल–हमास के बीच घमासान मचा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के इजरायल पहुंचने से पहले ही रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने बीजिंग पहुंचकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर ली है। पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात एक हाई प्रोफाइल शो की तरह हुई जिस पर दुनिया की नजरें लगी हुई थीं। दोनों नेताओं की बातचीत में मिडिल ईस्ट का संकट केन्द्र बिन्दु में रहा। दोनों देशों ने ही इजरायल के एक्शन की आलोचना की। रूस और चीन युद्ध विराम चाहते हैं। यद्यपि कहा यही जा रहा है कि इस मुलाकात का मकसद अमेरिका के खिलाफ दोनों देशों की साझेदारी को मजबूत करना है। हाल ही के वर्षों में रूस–चीन संबंध लगातार गहरे होते जा रहे हैं। पुतिन और जिनपिंग ने व्यक्तिगत मित्रता भी स्थापित कर ली है। पुतिन वन बैल्ट,वन रोड पहल की दसवीं वर्षगांठ के मौके पर हिस्सा लेने चीन पहुंचे हैं। यह पहली बार है कि पुतिन ने इस साल पूर्व सोवियत संघ के बाहर किसी देश का दौरा किया है। चीन और रूस ने फरवरी 2022 में 'नो लिमिट' साझेदारी का ऐलान किया था। इसके कुछ दिन बाद ही पुतिन ने यूक्रेन पर हमले का ऐलान किया। अमेरिका चीन को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी मानता है और साथ ही रूस को वह अपना सबसे बड़ा खतरा मानता है। यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है कि पुतिन और जिनपिंग ने मिलकर दुनिया का सबसे ताकतवर अघोषित गठबंधन बना लिया है। दुनिया के सबसे ज्यादा परमाणु बमों के मालिक देशों का एक–दूसरे के करीब आने का अर्थ बहुत गहरा है। यद्यपि चीन–रूस की दोस्ती बड़ी जटिल रही है। दोनों देश कभी एक–दूसरे के घमित्र तो कभी दुश्मन रहे हैं। रूस और चीन की लव रिलेशनशिप को भारत के लिए खतरा माना जा रहा है। पश्चिमी देश रूस के घखिलाफ हैं और चीन रूस के गले में बांहें डालकर खड़ा है। रूस भारत का परखा हुआ मित्र है और रूस ने हमेशा संकट के दौर में भारत का साथ दिया है। रूस से दोस्ती के चलते ही भारत ने यूक्रेन–रूस युद्ध पर तटस्थ रुख अपनाया और एक बार घ्भी रूस की निंदा नहीं की। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि पुतिन इस समय दुनिया के नक्शे में अपनी छवि सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। बीजिंग में 140 देशों से आए प्रतिनिधियों के बीच पुतिन की मौजूदगी दुनिया में उनकी छवि को बेहतर कर सकती है जो यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में पूरी तरह से अलग–थलग पड़ी हुई है। पुतिन ने भारत में पिछले महीने हुए जी–20 शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा नहीं लिया। भारत निश्चित तौर पर इस बात से असहज है कि रूस और चीन करीब आ रहे हैं। इन रिश्तों की वजह से भारत को आशंका है कि चीन एकपक्षीय कार्रवाई करके भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य दबाव बढ़ा सकता है। भारत चीन से निबटने के लिए सेना को मजबूत करने में लगा है। मगर सैन्य आपूर्ति के लिए उसी रूस पर निर्भर है जो अब चीन के करीब हो रहा है। रूस अब चीन का जूनियर पार्टनर है और यह बात भारत को कहीं न कहीं खलती होगी। रूस पर हथियारों की निर्भरता ने इस पूरे मुद्दे को बहुत ही जटिल बना दिया है। यूक्रेन को लेकर भारत की स्थिति ने अमेरिका और यूरोप के साथ करीबी को मुश्किल में डाल दिया है।

भारत चीन की वन बैल्ट,वन रोड परियोजना से भी परेशान है। इस परियोजना के जरिये चीन भारत की घेराबंदी कर रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत–मध्यपूर्व यूरोप गलियारे का प्रस्ताव दिया था जिसे वन बैल्ट,वन रोड परियोजना का तोड़ माना जा रहा है। रूस ने युद्ध काल में हमेशा भारत का साथ दिया। 1971 की लड़ाई में अमेरिका ने जब बंगाल की खाड़ी में अपना बेड़ा भेजा तो उसको रोकने के लिए रूस ने अपना जंगी बेड़ा भी भेज दिया था। भारत हथियारों के मामले में रूस पर निर्भर रहा। करीब तीन दशक पहले भारत ने रूस के साथ हाथ मिलाया था। दूसरी ओर चीन ने खुद को दुनिया में बहुक्षीय ताकत के तौर पर आगे बढ़ाना शुरू कर दिया था। यह नया चीन और रूस का गठबंधन यूक्रेन में पुतिन की आक्रामकता के बाद और जटिल हो गया है।

जंग की वजह से कमजोर हुआ रूस चीन के लिए किसी दौलत की तरह होगा। यही बात भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। रूस–चीन की दोस्ती भारत को अपने रिश्तों पर फिर से नजर डालने के लिए मजबूर कर सकती है। चीन और रूस के गठबंधन ने पुतिन को यह आत्मविश्वास दे दिया है कि वह यूरोप को चुनौती दे सकते हैं। यूक्रेन की जंग ने अमेरिका को भी दबाव में ला दिया है। उसे आशंका है कि चीन भविष्य में ताइवान पर हमला कर सकता है। इसी वजह से अमेरिका जापान, आस्ट्रेलिया और भारत से अपने संबंधों को मजबूत बनाने में जुट गया है। चीन की रूस से दोस्ती फायदे में दिखाई दे रही है। रूस और चीन के बढ़ते सामरिक संबंध भारत के हित में नहीं हैं। भारत को सतर्क होकर कूटनीति अपनानी होगी।

हरदोई आगमन पर सपा मुखिया का कई स्थानों पर जबरदस्त स्वागत

पूर्व विधायक बब्बू के आवास पर चाय पीने पहुँचे अखिलेश यादव

हरदोई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का काफिला के हरदोई आगमन पर कई स्थानों पर जबरदस्त स्वागत किया गया। शाहाबाद में पूर्व विधायक आसिफ खाँ बब्बू के आवास पर सपा मुखिया अखिलेश यादव का भव्य स्वागत किया गया।राष्ट्रीय अध्यक्ष का काफिला शाहजहांपुर से हरदोई सीमा में प्रविष्ठ होते ही बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ताओ ने नारेबाजी के साथ फूल मालाओं से उनका अभिनन्दन किया।इसके बाद सिद्दारनगर बार्डर सीमा,उद्धारनपुर,अल्लाहपुर,पाली चौराहे के साथ पूर्व विधायक के निवास पर चारो ओर से गुलाब के फूलों की पंखुड़ियों की पुष्प वर्षा से उनका जबरदस्त स्वागत हुआ।पूर्व विधायक बब्बू के आवास पर अखिलेश यादव ठहरे और पत्रकारों से बातचीत भी की।राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पर नाराज दिखे।अखिलेश यादव ने बयान जारी करते हुए कहा कि सब कुछ जानकारी लेने के बाद भी कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में उन्हें सीटें नहीं दी।अगर भाजपा को हराने के लिये कांग्रेस को समाजवादी पार्टी के साथ सीटों में समझौता नही करना था तो इतनी लंबी बातें क्यो की।अखिलेश यादव ने कहा कि अब वह लोकसभा चुनाव के समय विचार करेंगे।उन्होंने कहा,कांग्रेस ने जैसा व्यवहार उनके साथ किया है,वो भी उनके साथ वैसा ही व्यवहार करेंगे।अगर पता होता कि कांग्रेस ऐसा करेगी तो हम अपनी सूची ही उन्हें नहीं देते और न ही उनसे सहयोग की आशा करते।उन्होंने कहा कि 2024 में जनता हमारे साथ है।पूर्व विधायक बब्बू के आवास पर अखिलेश यादव की झलक पाने को हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ जुड़ गई और उनके लोक जनजागरण यात्रा के रथ को निकलने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आज श्री अखिलेश निरीक्षण भवन हरदोई में रात्रि विश्राम करेंगे।शनिवार को वह लोक जागरण कार्यक्रम में जनता को सम्बोधित करेंगे।

काशी ज्वैलर्स ने हयात रीजेंसी में पेश की गहनों की विशेष रेंज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अक्टूबर का महीना त्योहारों वाला होता है और उत्सव हमारे जीवन में रोशनी भर देते हैं। इस साल नवरात्र के दौरान शुक्रवार को हयात रीजेंसी में आयोजित काशी ज्वैलर्स की विशेष एग्जीबिशन और सेल से लखनऊ में चार चांद लग गए।

कानपुर के काशी ज्वैलर्स ने लखनऊ में अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी में काशी ज्वैलर्स की इन हाउस फैसेलिटी में तैयार की गई डिजाइन की एक सीरीज पेश की गई, जिसमें नए पोल्की, टेम्पल, कुंदन और हीरे के आभूषण की लेटेस्ट डिजाइन शामिल हैं।

ज्वैलरी की कीमत 20,000 रुपये के बेहद ही किफायती मूल्य से शुरू होकर 5 लाख रुपये तक गई। इस साल दिवाली और शादी के सीजन की खरीदारी को पूरा करने के लिए एग्जीबिशन में शानदार आभूषणों से मेल खाने वाले बेहतर ड्रेस डिजाइन भी पेश किए गए।

काशी ज्वैलर्स के वीपी और पार्टनर श्रेयांश कपूर ने कहा, हमने शुक्रवार को प्रदर्शनी में आभूषणों का बेहद लेटेस्ट कलेक्शन पेश किया। इसे हमारे ग्राहकों ने काफी सराहा भी है और हमें बेहतर प्रतिक्रिया भी मिली है। एक प्रतिष्ठित ज्वैलरी हाउस के रूप में काशी ज्वैलर्स अपने डिजाइन तैयार करता है, उनका निर्माण करता है और उन्हें दुनिया के विभिन्न हिस्सों में निर्यात करता है।

नवरात्रि के पांचवें दिन की गई मां स्कंदमाता की पूजा

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन घरों और मंदिरों में देवी स्कंदमाता की पूजा की गई। मंदिरों में भी सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखी गई। शाम को विशेष सजावट भी हुई और देवी मंदिरों में मनोहारी श्रृंगार किए गए। शहर में कई इलाकों में भक्तों ने माता की भव्य झांकियां भी निकाली। शहर के चौक स्थित छोटी काली जी मंदिर, शास्त्री नगर दुर्गा देवी, मंदिर टिकैतराय तालाब स्थित शीतला माता मंदिर सहित ज्यादातर देवी मंदिरों पर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी। इस समय शारदीय नवरात्र चल रहे हैं और लोग पूरे भक्ति भाव से माता की पूजा कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को घर–घर में स्कंद माता की पूजा की गई। मंदिरों में भी सुबह से ही भक्तों का तांता लग गया। भक्तों ने पूरी विधि विधान के साथ पूजा की और अपनी मनोकामना मांगी।

पुलिस अधीक्षक ने बालिकाओं से किया मुलाकात दिए सफलता के टिप्स

1-शाशन द्वारा चलायी जा रही योजनाओं व हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गयी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा बालिकाओ से पुलिस ऑफिस में मुलाकत कर सफलता के टिप्स दिये गये तथा शासन द्वारा चलायी जा रही योजनाओं व हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गयी

शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वालंबन हेतु मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज 4 के तहत बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा लगभग 70 बालिकाओं को पुलिस अधीक्षक कार्यालय का भ्रमण कराया गया तथा पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा से मिलाया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा छात्राओं को महिलाओंध्बच्चियों के लिये चलायी जा रही महत्वाकांक्षी योजनाएं आदि की जानकारी दी गयी तथा महिला सम्बन्धी अपराधों के रोकथाम व त्वरित सहायता के लिये विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों 112,1930,1090, 108,1076,1098 आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। छात्राओं द्वारा सफलता हेतु पुछे गये सवालों का जवाब दिया गया तथा उन्हें मेहनत व लगन से पढाई करने और जीवन की उच्चाईयों को छुने के टिप्स दिये गये।

जनपद के विभिन्न मंदिरों में देवी गीत, जगराता कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्देश ऱूजिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश शासन के आदेशानुसार सूचना एवं जनसंपर्क विभाग लखनऊ द्वारा मिशन शक्ति, मेरी माटी मेरा देश तथा शारदीय नवरात्रि पर्व पर जनपद के विभिन्न मंदिरों में देवी गीत, जगराता कार्यक्रम आयोजित किए जाने का निर्देश प्राप्त हुआ है, जिसके तहत जिलाधिकारी अनुज कुमार झा के निर्देश के क्रम में सूचना विभाग के पंजीकृत कलाकारों द्वारा जनपद में विभिन्न मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस क्रम में सूचना विभाग के पंजीकृत लोकगायक नरेंद्र बहादुर यादव एण्ड पार्टी द्वारा 18 अक्टूबर 2023 को ग्राम पंचायत मुबारकपुर ब्लॉक खुटहन में स्थित महाकाली मंदिर में देवी गीत अरिये अरिये सोहला माई के नेबुला प्रस्तुत किया गया। गीत गायन के साथ ही उक्त पार्टी द्वारा उपस्थित लोगों एवं ग्राम प्रधान लाला साहेब यादव की उपस्थिति में सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार भी किया गया।

एयरटेल एक्सट्रीम प्ले की पेड-सब्सक्राइबर्स की संख्या 5 मिलियन के पार पहुंची

- भारत के सबसे तेजी से बढ़ रहे ओटीटी एग्रीगेटर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत की प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल ("एयरटेल") की वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, एयरटेल एक्सट्रीम प्ले के पेड सब्सक्राइबर्स की संख्या अक्टूबर महीने में पाँच मिलियन (50 लाख) के आंकड़े को पार कर गई है। इसके साथ ही यह देश में अभी भी सबसे तेजी से बढ़ रहा ओटीटी एग्रीगेटर बना हुआ है। कंपनी ने आज इसकी जानकारी दी।

एयरटेल एक्सट्रीम प्ले एक सिंगल ऐप पर संग्रहित ओटीटी कंटेंट का भारत का सबसे बड़ा संकलन प्रदान करता है। इसके ग्राहकों को सोनी लिव, लायंसगेट प्प्ले, चौपाल, होईचोई, फैनकोड, मनोरमा मैक्स, शेमारू मी, ऑल्ट बालाजी, अल्ट्रा, इरोज नाउ , एपिकऑन, डॉक्यूबे, प्लेफ्लिक्स आदि जैसे पार्टनर्स के उत्कृष्ट कंटेंट प्राप्त होते हैं। वे एयरटेल एक्सट्रीम ऐप पर न्यूनतम 148 रुपये के रिचार्ज के द्वारा 20 कंटेंट पार्टनर्स के 40,000 से अधिक मूवी टाइटल्स और शोज देख सकते हैं।

इस उपलब्धि के बारे में एयरटेल डिजिटल के सीईओ, आदर्श नायर ने कहा कि, "हालाँकि भारत में 40 से अधिक ओटीटी ऐप्स और प्रीमियम वीडियो कंटेंट का व्यापक संग्रह उपलब्ध है, पर इसे खोजना और फिर भुगतान करना मुश्किल होता है। एयरटेल एक्सट्रीम प्ले शानदार ओटीटी ऐप्स के सबसे बड़े संग्रह को एक कीमत पर एक ऐप में एक साथ इकट्ठा करने में मदद करता है। हमने हाल में ऑल्ट बालाजी, फैनकोड और प्लेफ्लिक्स को भी शामिल किया है जिससे हम शानदार कंटेंट के सबसे व्यापक सेलेक्शन और बीस मिलियन (2 करोड़) सब्सक्राइबर्स के आंकड़ें तक पहुंचने की अपनी महत्वाकांक्षा के और करीब पहुँच गए हैं।"

सीरीज, मूवीज और स्पोर्टिंग कंटेंट की व्यापक सीरीज की बदौलत हाल के समय में इस प्लेटफॉर्म पर यूजर्स ने जबरदस्त दिलचस्पी दिखाई है। प्लेटफॉर्म पर बिताये गए समय का 47 प्रतिशत समय स्कैम 2003 और स्कैम 1992 जैसी सीरीज को देखने में लगाया गया।

वहीं, कैरी ऑन जट्टा (पंजाबी), पोर थोझिल (तमिल) और वॉइस ऑफ सत्यनाथन (मलयालम) जैसे क्षेत्रीय ब्लॉकबस्टर से प्रेरित 37 प्रतिशत स्प्लिट के साथ मूवीज दूसरे स्थान पर थी। एशियाई गेम्स और ऑस्ट्रेलिया एवं साउथ अफ्रीका के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज के साथ स्पोर्टिंग कंटेंट भी प्रशंसकों का पसंदीदा कंटेंट बनकर उभरा है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें : https://www-airtelÛstream-in/

व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाए : बृजेश कुमार

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक पुलिस लाइन में नगर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें व्यापारियों की समस्या पर चर्चा किया गया, टू व्हीलर पार्किंग के विषय में दुकानदारों के सामने गाड़ी लगाने पर चालान हो जाने की वजह से व्यापारियों ने रोष व्यक्त किया।यातायात निरीक्षक जी डी शुक्ला द्वारा बताया गया कि सभी लोग हेलमेट पहन कर गाड़ी चलाएं जिससे उनके जान माल दोनों की सुरक्षा हो सके बैठक में व्यापार मंडल नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने व्यापारियों की समस्याओं को देखते हुए दुकान के सामने सफेद पट्टी लाइन खींचकर टू व्हीलर वाहनों को खड़ा करने की व्यवस्था किया जाए का सुझाव दिया जिसका सभी व्यापारियों ने समर्थन किया,पिछले दो वर्षों से इस बैठक में निरंतर विशेष सहयोग और उपस्थित को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार द्वारा नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल, युवा जिला अध्यक्ष संतोष अग्रहरि, नगर महामंत्री मुन्नालाल अग्रहरि, नगर उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू, यूनियन बैंक जौनपुर मुख्य शाखा से संजय राय, नगर उपाध्यक्ष अमर जौहरी, मीडिया प्रभारी डी के अग्रहरि को मोमेंटो देकर सम्मान किया गया,सम्मान की प्रक्रिया में विशेष सहयोग बेटी स्वावलंबन सुरक्षा समिति का रहा। बैठक में मुख्य रूप से चंदन गुप्ता, गुलजारीलाल साहू, विजय अग्रहरी, सच्चिदानंद, मंटू, आलोक, पुष्पा आदि लोगों की उपस्थिति रही।

स्टडी हॉल के जश्न-ए-बचपन में लखनऊ के 17 स्कूलों के 1000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल जूनियर स्कूल द्वारा आयोजित सांस्कृतिक उत्सव जश्न–ए–बचपन में भाग लेने के लिए लखनऊ शहर के 13 प्रतिष्ठित स्कूलों के एक हजार से ज्यादा बच्चे एक साथ आए। इस कार्यक्रम में सेठ एम.आर. जयपुरिया, ला मार्टिनियर, सीएमएस गोमती नगर और एक्सटेंशन ब्रांच, जयपुरिया रॉयल कैम्पस, लोरेटो, डीपीएस इंदिरा नगर, लखनऊ पब्लिक स्कूल, प्रेरणा गर्ल्स और विद्यास्थली कनार स्कूल से बच्चों ने प्रतिभाग किया।

स्टडी हॉल जूनियर स्कूल की हेडमिस्ट्रेस बानी मल्होत्रा ने अपने छात्रों पर बहुत गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "छात्रों ने प्रतिभागियों और आयोजकों दोनों के रूप को बखूबी निभाया है। उनके उत्साह और परिश्रम ने जश्न–ए–बचपन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।"

जश्न–ए–बचपन में स्टडी हॉल – दोस्ती के बच्चों की भी भागीदारी देखी गई, जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक एकीकृत कार्यक्रम है। दोस्ती के बच्चों ने गीत प्रस्तुत किया जिसको दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम के समापन पर स्टडी हॉल स्कूल की प्रिंसिपल मीनाक्षी बहादुर ने उपस्थित दर्शकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, जश्न–ए–बचपन बच्चों को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और बचपन की खुशियों को संजोने के लिए एक मंच प्रदान करता है। स्टडी हॉल में हम यह सुनिश्चित करने में विश्वास करते हैं कि हर बच्चा अपने बचपन का आनंद उठाए और उसे अपनी रचनात्मकता का पता लगाने का अवसर मिले।

इस कार्यक्रम में बचपन के सार को खूबसूरती से दर्शाया गया और बच्चों ने इसमें भाग लेने का आनंद लिया।

चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए बसपा बनाई ने खास रणनीति

मायावती ने मांगी पिछले चार चुनावों की ट्रेंड रिपोर्ट

संवाददाता

लखनऊ। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव में बसपा प्रमुख मायावती चुनावी रैलियां करेंगी। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले मायावती का सबसे बड़ा चुनावी अभियान माना जा रहा है। 6 नवंबर से शुरू होने वाली बसपा प्रमुख मायावती की चुनावी रैली मध्य प्रदेश और राजस्थान में होंगी। फिर तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में लोगों के बीच मायावती पहुंचेंगी। सियासत के जानकार मानते हैं कि 2024 चुनाव से पहले बसपा प्रमुख मायावती की 20 चुनावी रैलियां राज्यों के चुनाव में छक। और प्छक्। का समीकरण बिगाड़ सकती है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले मायावती ने चार राज्यों के विधानसभा चुनाव पर फोकस कर दिया है। इन चार राज्यों मायावती कुल 20 रैलियां करेंगी। इससे पहले बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने 2022 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 18 मंडलों में 18 रैलियां की थी। एक जनसभा उत्तराखंड में और एक पंजाब में चुनावी जनसभा की थी। उसके बाद से उनके कहीं भी इस तरह की चुनावी सक्रियता नजर नहीं आई थी। हालांकि कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ तेलंगाना में भी उन्होंने एक–एक जन सेवा मार्च महीने में की थी। लेकिन अब मायावती राजस्थान में 8 चुनावी जनसभाएं करेंगी। मध्य प्रदेश में भी 8 चुनावी जनसभाएं करेंगी। छत्तीसगढ़ में दो और तेलंगाना में भी दो चुनावी जनसभा मायावती करेंगी। बहुजन समाज पार्टी मध्य प्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ पहले भी विधानसभा का चुनाव लड़ती चली आई है, लेकिन मायावती ने कभी भी दो रेलिया से ज्यादा इन राज्यों में नहीं की पहली बार ऐसा है। अब मायावती यहां 8–8 चुनावी रैलियां कर रही हैं। राजस्थान में तो मायावती एक दिन में दो दो चुनावी जनसभाएं करने वाली हैं। 2014 के बाद मायावती एक दिन में एक ही चुनावी जनसभा करती चली आ रही है लेकिन अब जिस तरह से इन चार राज्यों में विधानसभा चुनाव में वो ताबड़तोड़ रैलियां कर रही हैं। उसके पीछे एक मैसेज यह भी है कि इन राज्यों की कमान उनके भतीजे आकाश आनंद के पास है। आकाश आनंद ने कई महीनों में यहां जो जमीन तैयार की है और आकाश की सियासी समझ को परखने के लिए भी मायावती इस बार वहां ज्यादा रैलिया कर रही हैं। जिससे इसका फायदा पार्टी को मिले और उसका क्रेडिट भतीजे आकाश को। क्योंकि चर्चा इस बात की भी है कि 2024 से पहले यूपी की कमान आकाश आनंद को मिल सकती है। इन रैलियों के जरिये बसपा सुप्रीमो की कोशिश ये भी होगी की वहां तैयारियों में अगर कोई कमी रह जाती है, तो उस कमी को जनसभाओं के जरिए उसे पूरा किया जा सके। बसपा प्रमुख मायावती मध्य प्रदेश और राजस्थान चुनाव में भतीजे आकाश आनंद की राजनीतिक मेहनत की चुनावी परीक्षा का भी आकलन करेंगी। बसपा प्रमुख ने आकाश आनंद को राजस्थान और मध्य प्रदेश में चुनाव की जिम्मेदारी दी है। नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने चुनाव से पहले मध्य प्रदेश में बीजेपी सरकार और राजस्थान में कांग्रेस सरकार को घेरने के लिए सड़क पर उतर चुके हैं।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों पर योगी मेहरबान

संवाददाता

लखनऊ। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दीवाली पर मुफ्त सिलिंडर के लिए कैबिनेट प्रस्ताव लाया जाएगा। योजना के तहत राज्य सरकार हर लाभार्थी के खाते में 660 रुपये भेजेगी, जबकि 300 रुपये केंद्र सरकार से बतौर सब्सिडी मिलता है। यूपी में वर्तमान में उज्ज्वला योजना के 1.75 करोड़ लाभार्थी हैं। इनमें 1.54 लाभार्थियों के खाते आधार प्रमाणित हैं, जिनमें केंद्र सरकार पहले से ही सब्सिडी दे रही है। पहले चरण में आधार प्रमाणित खातों में ही योजना की राशि भेजी जाएगी। शेष लाभार्थियों के बैंक खाते आधार से जैसे–जैसे जुड़ते जाएंगे, वैसे–वैसे उन्हें लाभ मिलता जाएगा।

पुलिस अधीक्षक ने साप्ताहिक परेड लिया सलामी किया निरीक्षण दिया आवश्यक निर्देश

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के उद्देश्य से पुलिस व्यवस्था में फेरबदल किया जाता है साथ ही साथ पुलिस पुलिस अधीक्षक द्वारा समय–समय पर पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए कितनी सक्रिय है इसका भी निरीक्षण किया जाता है इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा, द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड पर शुक्रवार को परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया, तत्पश्चात् जवानों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ लगवायी गयी। परेड के उपरान्त विभिन्न शाखाओं शस्त्रागार, जीपी स्टोर, पुलिस अस्पताल, कैन्टीन, मेस, यातायात कार्यालय, डायल–112 इत्यादि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक आदेश निर्देश दिए गए। आदेश कक्ष में कर्मचारियों का ओ.आर. किया गया तथा अभिलेखों का अवलोकन कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

नशामुक्त हॉफ मैराथन में दौड़े हजारो युवा

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में नशामुक्त भारत अभियान के तहत विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत बनाने के उद्देश्य से स्वर्गीय आकाश किशोर उर्फ जैबी की पुण्यतिथि पर 19 अक्टूबर को लखनऊ में 22 किलोमीटर की नशामुक्त हॉफ मैराथन संपन्न हुई। नशामुक्त हाफ मैराथन का आयोजन श्नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल काश के तहत केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर द्वारा किया गया। दुबग्गा चौराहा में केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर, अंतरराष्ट्रीय धाविका पद्म श्री सुधा सिंह, बॉलीवुड एक्टर राजा बुंदेला, विधायक जय देवी कौशल, विधायक राजेश्वर सिंह, विधायक योगेश शुक्ला, विधायक अमरेश रावत, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी पवन सिंह व अन्य गणमान्य जनों द्वारा हरी झंडी दिखाकर नशामुक्त हॉफ मैराथन की शुरुआत की गई। इस नशामुक्त हाफ मैराथन में सहारनपुर निवासी प्रिंस कुमार प्रथम विजेता बने और हाथरस निवासी दिनेश द्वितीय विजेता और लखनऊ निवासी बलराम तृतीय विजेता बने। नशामुक्त हॉफ मैराथन में 7 हजार से ज्यादा युवाओं ने प्रतिभाग किया। दुबग्गा चौराहा से शुरू हुई यह नशामुक्त हॉफ मैराथन भिठौली तिराहा होते हुए वापिस दुबग्गा चौराहा में समापन हुई इसके दोनों तरफ भारी संख्या में किनारे किनारे लोगों का हुजूम रहा जो नशे के खिलाफ दौड़ रहे युवाओं का हौसला अफजाई करते रहे। नशामुक्त हॉफ मैराथन का समापन समारोह जोगर्स पार्क के पास संपन्न हुआ जहां विजेताओं को पुरस्कृत और सम्मानित किया गया।

राम बारात शोभा यात्रा में दर्शकों की खूब उमड़ी भीड़

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। श्री रामलीला मेला मोहल्ला पठकाना शाहाबाद की राम बारात शोभायात्रा बीती रात नगर के निर्धारित मार्गों से निकाली गई जिसे देखने के लिए सड़कों से लेकर चबूतरों, झज्जों, छतों, पर भी बहुत से लोग दिखाई दिए। माताओं बहनों को बड़ी संख्या में अपलक अपने राम की झांकी सहित अन्य सभी झांकियों को जहां निहारते देखा गया, वहीं बहुत सी महिलाओं को पुष्पवर्षा भी करते देखा गया। शोभायात्रा में उमड़ी भारी भीड़ देखकर श्री रामलीला मेला समिति भी गदगद दिखाई दी। राम बारात शोभा यात्रा का शुभारंभ नगर पालिका परिषद से आरती, पूजन के साथ किया।

तदुपरान्त शोभायात्रा वहां से चलकर स्टेट बैंक बड़ी बाजार घासमंडी गुलाब बैंड चौराहा, राष्ट्रपिता म्युनिसिपल इंटर कॉलेज इंटर कालेज पहुंची और फिर वहां से लौटती हुई बड़ी बाजार घासमंडी तिराहा घंटाघर चौक होते हुए मोहल्ला कटरा में सरदारगंज पुलिस चौकी पहुंच गई। जहां पर समिति के निर्देशन में परंपरागत रूप से शोभायात्रा का समापन किया गया।

राम बारात शोभायात्रा में एक से बढ़कर एक मनमोहक झांकियों का प्रदर्शन किया गया। जहां राधा और कृष्ण का बाल रूप देखकर दर्शकगण मंत्रमुग्ध हो गए। वहीं बैंडबाजा के एक स्थानीय बाजनदार कलाकार की कलाकारी आकर्षण का केन्द्र बनी रही।नवदुर्गा माता दरबार झांकी की श्रंखला में बहुत सी मनमोहक झांकियां दर्शकों को आकर्षित कर रहीं थीं। रामबारत शोभायात्रा में समिति अध्यक्ष संजय मिश्रा बबलू, डा0 मुरारीलाल गुप्ता, महामंत्री अनमोल गुप्ता, समेत सर्वेश मिश्रा, संजू पंडित, मधुप मिश्रा, ऋषि कुमार मिश्रा, आशीष मोहन तिवारी राजू, और पुष्पेन्द्र मिश्रा समेत संपूर्ण समिति तथा अन्य सभी सहयोगीगणों सहित क्षेत्राधिकारी शाहाबाद हेमंत उपाध्याय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस राम बारात शोभायात्रा के अध रात्रि में हुए पुलिस चौकी सरदारगंज पर समापन तक सक्रिय रही।

श्री रामार्चन महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का इंद्र ध्वज व हनुमान ध्वज की स्थापना और पूजा सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुकेश शर्मा, विधान परिषद सदस्य पूर्व नगर अध्यक्ष लखनऊ के द्वारा श्री खाटूश्याम मन्दिर में श्री रामार्चन महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का इंद्र ध्वज व हनुमान ध्वज की स्थापना और पूजा की गई।समिति के मुख्य आयोजक एवं अध्यक्ष प्रखर हिंदुत्व विचारक संस्थापक SPI महासंघ ट्रस्ट डॉ. एस आर शर्मा, अशोक शर्मा, प्रदीप पांडेय, राजू चतुर्वेदी, रोहित मिश्र,सुभाष शर्मा, डॉ सुनीत मिश्र, राजीव पाठक उर्फ बिल्लू, अरूण शर्मा, अनिल शर्मा, नवीन शर्मा, चित्रांश शर्मा, रेहन शर्मा, रविन्द्र शुक्ला, व बहुत से लोग उपस्थित थे।अयोध्या के आचार्यों ने स्वामी अमरेश्वरानंद जी महाराज के नेतृत्व में वैदिक विधि विधान से मुकेश शर्मा के द्वारा पूजन किया गया।

कैप्री गोल्ड लोन शाखा लखनऊ ठाकुरगंज ब्रांच का हुआ भव्य उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कैप्री गोल्ड लोन ब्रांच का उद्घाटन अध्यक्ष भूतपूर्व पुलिस उपाधीक्षक हरीश चंद्र पांडेय द्वारा फीता काटकर व दीपदान द्वारा संपन्न हुआ।

अतः इस मौके पर कंपनी के (रीजनल मैनेजर)अमरेश श्रीवास्तव (एरिया सेल्स मैनेजर) प्रशस्त्र मिश्रा व (एरिया ऑपरेशन मैनेजर) राम मोहन मिश्रा तथा ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर– ईशा सक्सेना व ब्रांच सेल्स मैनेजर – दिनेश कुमार पांडेय तथा प्रशांत गुप्ता जोनल एडमिन मैनेजर व रीजनल जोनल ब्रांच स्टाफ मौजूद रहे। कैप्री गोल्ड लोन में रीजनल मैनेजर अमरेश श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि यहां पर न्यूनतम ब्याज दर पर ग्राहकों को गोल्ड लोन की सुविधा प्रदान की जाएगी।यहां पर 3000 से लेकर एक करोड़ का गोल्ड लोन दिया जाएगा जिससे गरीबों की मदद की जा सके व न्यूनतम डॉक्यूमेंट की आवश्यकता होगी तथा ब्याज दर भी कम रहेगी।

अपराध शाखा लखनऊ, क्राइम टीम (डीसीपी उत्तरी) व थाना मड़ियांव की संयुक्तटीम ने तीन चोर किए गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त एस० जी० शिरडकर द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय आकाश कुलहरि के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त नार्थ एस. एम. कासिम आब्दी व अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी अभिजित आर0 शंकर, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध कृपा शंकर के पर्यवेक्षण में तथा सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज आशुतोष कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त अपराध अभिनव यादव के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक मड़ियांव ध अपराध शाखा क्राइम टीम प्रभारी शिवानन्द मिश्रा के नेतृत्व में थाना मड़ियांव पुलिस टीम अपराध शाखा कमिश्नरेट लखनऊ पुलिस टीम व क्राइम टीम प्रभारी (उत्तरी) विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में मय पुलिस फोर्स द्वारा दिनांक 19.10.2023 को 03 शातिर नकबजन अभि) को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 03 जोड़ी पावजेब सफेद धातु, 15 जोड़ी पायल सफेद धातु, 29 जोड़ी बिछिया सफेद धातु, 01 अदद मंगलसूत्र पीली धातु, 03 अदद कंगन पीली धातु, 02 अदद कमरपेटी सफेद धातु, 02 अदद बच्चो के कड़े सफेद धातु, 07 अदद सिक्के सफेद धातु, 106 अदद चेन पीली धातु, 13 अदद अंगूठी पीली धातु, 03 जोड़ी झाला पीली धातु, दो जोड़ी झुमका पीली धातु, एक अदद हार पीली धातु, 4 अदद मांगटीका पीली धातु, एक अदद चम्मच सफेद धातु, 03 जोड़ी बाला पीली धातु, एक अदद नोजपिन पीली धातु, 01 अदद प्लेट सफेद धातु, 02 जोडी टॉप्स पीली धातु, एक अदद नथ पीली धातुव माल मसरुका 35520 रुपये व एक अदद सीज शुदा ई–रिक्शा बरामद किया गया।

डीसीपी नॉर्थ एस एम कासिम आब्दी ने प्रेस वार्ता में बताया कि थाना मड़ियाँव कमिश्नरेट लखनऊ की पुलिस टीम रोक थाम जुर्म जरायम आईआई एम तिराहे पर मौजूद थी जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि 03 व्यक्ति ई–रिक्शा के साथ जो बन्द घरों में चोरी करते हैं चोरी के सामान के साथ कैरियर मेडिकल कालेज की मस्जिद के आगे बैला गांव तिराहे के पास खड़े हैं। इस सूचना पर विश्वास करके पुलिस टीम उक्त स्थान पर पहुँची तो व्यक्ति वहाँ पर खड़ेई–रिक्शे में बैठे दिखाई दिये। पुलिस को आता देखकर तीनों संदिग्ध व्यक्ति ने हड़बड़ाकर भागने का प्रयास किया, पुलिस टीम द्वारा उनको एक बारगी दबिश देकर घेर कर पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्तियों से नाम पता पूछते हुये जामा तलाशी ली गयी तो लोगों ने अपना नाम मोहम्मद हारून पुत्र नवीबक्श निवासी ग्राम ईटखेड़ी दुआ थाना ईटखेड़ी जनपद भोपाल (म0प्र0) हालपता पुत्तीलाल का किराये का मकान निकट जगलाल पेट्रोल पम्प थाना मड़ियांव जनपद लखनऊ उम्र 39 वर्ष,शुभम सोनकर पुत्र स्वा() देवीचरण निवासी नवाबगंज गीता पार्क थाना नवाबगंज जनपद कानपुर नगर हाल पता पुत्तीलाल का किराये का मकान निकट जगलाल पेट्रोल पम्प उम्र 21 वर्ष,अंकित शर्मा पुत्र रामकिशन शर्मा निवासी आरके टिम्बर के पास निकट जगलाल पेट्रोल पम्प के पास थाना मड़ियांव लखनऊ उम्र 22 वर्ष बताया।

जस्टिस वी मेहरोत्रा स्मृति अंतर महाविद्यालय वाद- विवाद प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय संस्कृति एवं शिक्षा समिति द्वारा मनाया जाने वाला वार्षिक उत्सव इस वर्ष भी भारतीय विद्या भवन महिला महाविद्यालय में उत्साह पूर्वक मनाया गया । इस अवसर पर एक वृहद अन्तरमहाविद्यालय वाद – विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे लखनऊ के लगभग एक दर्जन महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने ष्सोशल मीडिया पर वास्तविक मित्रता सम्भव नहीष विषय पर अपना पक्ष और विपक्ष रखा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रवीर कुमार , आईएएस (अवकाश प्राप्त), विशिष्ट अतिथि आनन्द वर्धन सिंह तथा वी.के. सिंह उपस्थित रहे।

माँ सरस्वती तथा जस्टिस वी. के.मेहरोत्रा जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ मानद सचिव विजय गोपाल द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।

सरस्वती वंदना की मनभावन प्रस्तुति के बाद महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर अलका निवेदन ने वार्षिक रिपोर्ट रखी, इसके बाद मां दुर्गा को नमन करते हुए दुर्गा स्तुति की प्रस्तुति झलक मिश्रा द्वारा दी गई, साथ ही साथ महाविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष जस्टिस वी के मेहरोत्रा जी की स्मृति में महाविद्यालय के वर्तमान अध्यक्ष मनीष मेहहोत्रा द्वारा उनके पिता से जुड़े संस्मरणों को साझा किया गया ।

तत्पश्चात महाविद्यालय में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजि गत वर्ष की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं को सम्मानित करने के साथ ही अंतर महाविद्यालय वाद विवाद प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया, जिसमें

प्रथम पुरस्कार –

1. आयुशी जायसवाल (ठींतजपलं टपकलं ईूंद हपतसे कमहतमम बवससमहम)
2. रिश्ता सिंह (छंअलनह)

द्वितीय पुरस्कार –

1. मुस्कान (Karamat)
2. तनीषा सिंह (JNPG)

तृतीय पुरस्कार –

1. श्रीष्टि लालवानी (CIM)
2. संजीवनी पाठक (Bhartiya Vidya bhawan girls degree college)

तथा कॉलेज शील्ड – भारतीय विद्या भवन गर्ल्स डिग्री कॉलेज को प्रदान किए गए. मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार द्वारा आशीर्वचन प्रस्तुत करने के पश्चात महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉक्टर संदीप बाजपेई द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन अखिलेश पांडेय द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की संयुक्त सचिव मालती त्यागी, वरिष्ठ शिक्षिकाएं डॉ प्रियंका सिंह, डॉ नीता सक्सेना, डॉ छवि निगम, श्वेता विश्वकर्मा, नजमा शकील, प्रिया श्रीवास्तव, डॉ. चित्रा मोदी, यामिनी शर्मा, ममता यादव, पलक सिंह, आलोक मिश्रा, राशिका कनौजिया, डॉ नीति शर्मा, डॉ नम्रता सिंह, डॉ. शशिकांत मिश्रा उपस्थित रहे।

आरपीएफ ने श्री डाल सिंह स्कूल के बच्चों को किया जागरूक

गेट बंद होने पर रेलवे लाइन क्रॉस न करने तथा चलती ट्रेन में पत्थर आदि न फेंकने की दी सलाह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मुरादाबाद क्षेत्र में चलती ट्रेन पर किसी बच्चे के द्वारा पत्थर मारने से एक बच्चा घायल हो गया इसका संज्ञान लेते हुए रेलवे ने मुरादाबाद क्षेत्र के सभी रेलवे स्टेशनों के आसपास चल रहे स्कूलों के बच्चों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया है। श्री डालसिंह मेमोरियल स्कूल में रेलवे सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक गम्मू राम तथा कांस्टेबल जमील खान के द्वारा बच्चों को चलती ट्रेन में पत्थर न फेंकने की सीख दी गई इसके अलावा यह भी अपील की गई कि यदि रेलवे क्रॉसिंग पर गेट बंद हो तो गेट बंद होने के दौरान रेलवे लाइन को क्रॉस न करें इससे दुर्घटना हो सकती है उन्होंने बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि चलती ट्रेन में पत्थर फेंकने अथवा गेट बंद होने पर रेलवे लाइन क्रॉस करने की किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर 139 पर कॉल कर सकते हैं ।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि चलती रेल पर पत्थर फेंकने अथवा फाटक बंद होने पर रेलवे लाइन क्रॉस करने वाले के खिलाफ धारा 153 के अंतर्गत 10 वर्ष की सजा भी हो सकती है जिसके चलते उसका कैरियर खराब हो सकता है। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं में विनीता शुक्ला, रचना प्रजापति, अर्पिता सिंह, कविता गुप्ता ,सोनी तिवारी, मनसा बाजपेई, कोमल यादव, सोनम शुक्ला, रेखारानी ,पायल गुप्ता, सानिया गुप्ता, शशिबाला शीलू मिश्रा नजरीन बानो, साक्षी मिश्रा, अपर्णा, पूजा सिंह पूजा मिश्रा,आरती वर्मा ,आरती मिश्रा, संजय गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, संजय , रामप्रकाश पांडेय , भूपेश सिंह, देवेश प्रसाद सिंह सहित बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

पुलिस स्मृति दिवस – 2023 का पूर्वाभ्यास

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रिजर्व पुलिस लाइन लखनऊ में दिनांक 21.10.2023 को आयोजित की जाने वाली श्पुलिस स्मृति दिवस परेड 2023 का फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया।

विजय कुमार पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा रिहर्सल परेड का निरीक्षण किया गया । पूर्वाभ्यास परेड की कमान्ड सन्तोष कुमार मिश्र, पुलिस अधीक्षक, अपराध, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा की गयी परेड में नागरिक पुलिस, पीएसी, महिला पुलिस, जी०आर०पी०, फायर सर्विस, यातायात पुलिस, एटीएस, आर०आर०एफ०, एसडीआरएफ एवं एसएसएफ की टीमें सम्मिलित हुई।

पूर्वाभ्यास के दौरान पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को परेड के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों को दिनांक 21 अक्टूबर 2023 पुलिस स्मृति दिवसश की महत्ता के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन 21 अक्टूबर को पुलिस लाइन लखनऊ में किया जायेगा। मुख्यमंत्री उ0प्र0 उक्त अवसर पर शहीदों को श्रद्धान्जलि अर्पित कर उनके परिवारों को सम्मानित करेंगे।

शारदीय नवरात्र पर विशेष

कवयित्री ने मलेशिया में बिखेरा अवध के साहित्य संस्कृति की सुगन्ध

- साहित्यकार डा. उमा सिंह ने हिन्दी साहित्य अकादमी के निमन्त्रण पर मलेशिया में वैश्विक साहित्य कला संगम में किया प्रतिभाग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोण्डा जनपद की लब्ध प्रतिष्ठित कवयित्री व कथाकार डा उमा सिंह ने साहित्य अकादमी के निमंत्रण पर मलेशिया में उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि साहित्य सेवी के रूप में प्रतिभागी कर देश विदेश के रचनाकारों व रंगकर्मियों को अवध की साहित्य व सांस्कृतिक सुगन्ध से सराबोर कर दिया। रचनाकर के रूप में डा सिंह की यह चौथी साहित्यिक विदेश यात्रा थी। इसके पूर्व वह रुस लंदन जर्मन वर्लिन इंडोनेशिया इजिप्ट हंगरी आस्ट्रिया आदि देशों में सांस्कृतिक संस्थाओं के निमंत्रण पर काव्य पाठ व महिला सशक्तिकरण पर प्रतिभागी कर चुकी है। विदेश से लौटने के बाद गायत्री पुरम स्थित अपने आवास पर साहित्यकारों के साथ हिन्दी के वैश्विक स्थिति पर अपना अनुभव साझा करते हुए सुश्री डा. सिंह ने बताया कि उन्होंने कविता कहानी उपन्यास व बाल साहित्य पर उनकी 20 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। साहित्य और समाज सेवा के साथ जिविका के लिए अध्यापन का व्रत लेते हुए उन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य का संकल्प लिया है। रविवार को परिवार परामर्श केंद्र पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बैठकर पति पत्नी के बीच अहं से उत्पन्न मतभेद से परिवार को टूटने से बचने के लिए दम्पतियों की उपस्थिति मेंकाउंसिलिंग करती हूँ। मलेशिया की साहित्यिक यात्रा की चर्चा करते हुए कवयित्री ने बताया कि हिन्दी साहित्य व संस्कृति अकादमी के सहयोग व मलेशिया के रामलीला नाट्य मंडल के निमंत्रण पर उन्होंने देश विदेश के तीन सौ रचनाकारों व रंगकर्मियों के साथ साहित्य संस्कृति संगम महोत्सव में भाग लिया। मलेशिया में सर्दी का प्रकोप यहां से काफी अधिक होने के बावजूद रामलीला ग्राउंड में शैलेन्द्र सिंह के निर्देशन में आयोजित काव्य पाठ में श्रोताओं की धूम रही। देश विदेश के 29 कवियों में प्रदेश के प्रतिभागी के रूप में मैंने गजल पढी और गोण्डा की रानी के पाठ से उल्लासित श्रोताओं ने गोण्डा की रानी कहकर सम्मानित किया। रचना विमर्श में हिन्दी की वैश्विक स्थिति व साहित्य के पठनीयता का संकट पर विचार व्यक्त करते हुए निष्कर्ष दिया कि यद्यपि युवाओं में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम व मोबाइल के प्रति रुझान बढ़ने से साहित्य के पाठकों की संख्या घटी है लेकिन सुधी साहित्य पाठक व सनातन धर्मी समाज का अध्ययन के प्रति रुचि कम नहीं हुआ है। डा सिंह ने बताया कि उन्होंने मानस पुष्पेन्द्र व हर्ष वर्धन आर्य के साथ आर्ट गैलरी में जाकर भारतीय व प्राच्य कला का भी आनन्द लिया। डा उमा सिंह अमेरिका में प्रवासी भारतीयों के निमंत्रण पर अवध की माटी की साहित्यिक सांस्कृतिक सोंधी सुगंध बिखरने के लिए यात्रा की तैयारी कर रही है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।